

Lang. Code : **11**

इस पुस्तिका में 16 पृष्ठ हैं ।

This booklet contains 16 pages.

**ATA-19-I**

प्रश्न-पत्र I / PAPER I

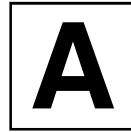
मराठी भाषा परिशिष्ट

Marathi Language Supplement

भाग IV & V / PART IV & V

परीक्षा पुस्तिका संकेत  
Test Booklet Code

परीक्षा पुस्तिका संख्या  
Test Booklet No.



इस परीक्षा पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए ।

Do not open this Test Booklet until you are asked to do so.

इस परीक्षा पुस्तिका के पिछले आवरण (पृष्ठ 15 व 16) पर दिए निर्देशों को ध्यान से पढ़ें ।

Read carefully the Instructions on the Back Cover (Page 15 & 16) of this Test Booklet.

मराठी में निर्देशों के लिए इस पुस्तिका का पृष्ठ 2 देखें । / For instructions in Marathi see Page 2 of this Booklet.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES

|                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                          |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                           |
|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| 1. यह पुस्तिका मुख्य परीक्षा पुस्तिका की एक परिशिष्ट है, उन परीक्षार्थियों के लिए जो या तो भाग IV (भाषा I) या भाग V (भाषा II) मराठी भाषा में देना चाहते हैं, लेकिन दोनों नहीं ।                                                                                                                                                                                                                          | 1. This booklet is a supplement to the Main Test Booklet for those candidates who wish to answer EITHER Part IV (Language I) OR Part V (Language II) in MARATHI language, but NOT BOTH.                                                                                                                                                                                                                                                                                   |
| 2. परीक्षार्थी भाग I, II, III के उत्तर मुख्य परीक्षा पुस्तिका से दें और भाग IV व V के उत्तर उनके द्वारा चुनी भाषाओं से ।                                                                                                                                                                                                                                                                                 | 2. Candidates are required to answer Parts I, II, III from the Main Test Booklet and Parts IV and V from the languages chosen by them.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    |
| 3. अंग्रेजी व हिन्दी भाषा पर प्रश्न मुख्य परीक्षा पुस्तिका में भाग IV व भाग V के अन्तर्गत दिए गए हैं । भाषा परिशिष्टों को आप अलग से माँग सकते हैं ।                                                                                                                                                                                                                                                      | 3. Questions on English and Hindi languages for Part IV and Part V have been given in the Main Test Booklet. Language Supplements can be asked for separately.                                                                                                                                                                                                                                                                                                            |
| 4. इस पृष्ठ पर विवरण अंकित करने एवं उत्तर पत्र पर निशान लगाने के लिए केवल काले/नीले बॉल पॉइंट पेन का प्रयोग करें ।                                                                                                                                                                                                                                                                                       | 4. Use Black/Blue Ball Point Pen only for writing particulars on this page / marking responses in the Answer Sheet.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                       |
| 5. इस भाषा पुस्तिका का संकेत है A । यह सुनिश्चित कर लें कि इस भाषा परिशिष्ट पुस्तिका का संकेत, उत्तर पत्र के पृष्ठ-2 एवं मुख्य परीक्षा पुस्तिका पर छपे संकेत से मिलता है । अगर यह भिन्न हो, तो परीक्षार्थी दूसरी भाषा परिशिष्ट परीक्षा पुस्तिका लेने के लिए निरीक्षक को तुरन्त अवगत कराएँ ।                                                                                                              | 5. The CODE for this Language Booklet is A. Make sure that the CODE printed on Side-2 of the Answer Sheet and on your Main Test Booklet is the same as that on this Language Supplement Test Booklet. In case of discrepancy, the candidate should immediately report the matter to the Invigilator for replacement of the Language Supplement Test Booklet.                                                                                                              |
| 6. इस परीक्षा पुस्तिका में दो भाग IV और V हैं, जिनमें 60 वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं, जो प्रत्येक 1 अंक का है :<br>भाग-IV : भाषा I - (मराठी) (प्र. 91 से प्र. 120)<br>भाग-V : भाषा II - (मराठी) (प्र. 121 से प्र. 150)                                                                                                                                                                                         | 6. This Test Booklet has two Parts, IV and V, consisting of 60 Objective Type Questions, each carrying 1 mark :<br>Part-IV : Language I - (Marathi) (Q. 91 to Q. 120)<br>Part-V : Language II - (Marathi) (Q. 121 to Q. 150)                                                                                                                                                                                                                                              |
| 7. भाग-IV में भाषा-I के लिए 30 प्रश्न और भाग-V में भाषा-II के लिए 30 प्रश्न दिए गए हैं । इस परीक्षा पुस्तिका में केवल मराठी भाषा से संबंधित प्रश्न दिए गए हैं । यदि भाषा-I और/या भाषा-II में आपके द्वारा चुनी गई भाषा(एँ) मराठी के अलावा है तो कृपया उस भाषा वाली परीक्षा पुस्तिका माँग लीजिए । जिन भाषाओं के प्रश्नों के उत्तर आप दे रहे हैं वह आवेदन पत्र में चुनी गई भाषाओं से अवश्य मेल खानी चाहिए । | 7. Part-IV contains 30 questions for Language-I and Part-V contains 30 questions for Language-II. In this Test Booklet, only questions pertaining to Marathi language have been given. In case the language/s you have opted for as Language-I and/or Language-II is a Language other than Marathi, please ask for a Test Booklet that contains questions on that language. The language being answered must tally with the languages opted for in your Application Form. |
| 8. परीक्षार्थी भाग-V (भाषा-II) के लिए, भाषा सूची से ऐसी भाषा चुनें जो उनके द्वारा भाषा I (भाग-IV) में चुनी गई भाषा से भिन्न हो ।                                                                                                                                                                                                                                                                         | 8. Candidates are required to attempt questions in Part -V (Language-II) in a language other than the one chosen as Language-I (in Part-IV) from the list of languages.                                                                                                                                                                                                                                                                                                   |
| 9. रफ कार्य परीक्षा पुस्तिका में इस प्रयोजन के लिए दी गई खाली जगह पर ही करें ।                                                                                                                                                                                                                                                                                                                           | 9. Rough work should be done only in the space provided in the Test Booklet for the same.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                 |
| 10. सभी उत्तर केवल OMR उत्तर पत्र पर ही अंकित करें । अपने उत्तर ध्यानपूर्वक अंकित करें । उत्तर बदलने हेतु श्वेत रंजक का प्रयोग निषिद्ध है ।                                                                                                                                                                                                                                                              | 10. The answers are to be recorded on the OMR Answer Sheet only. Mark your responses carefully. No whitener is allowed for changing answers.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                              |

परीक्षार्थी का नाम (बड़े अक्षरों में) :

Name of the Candidate (in Capitals) :

अनुक्रमांक : (अंकों में)

Roll Number : in figures

: (शब्दों में)

: in words

परीक्षा केन्द्र (बड़े अक्षरों में) :

Centre of Examination (in Capitals) :

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर :

Candidate's Signature :

Facsimile signature stamp of

Centre Superintendent

निरीक्षक के हस्ताक्षर :

Invigilator's Signature :



**A**

A

(2)

Marathi-I

Lang. Code : 11

ATA-19-I

चाचणी पुस्तिका कोड

ही पुस्तिका 16 पानांची आहे.

प्रश्नपत्रिका I  
मराठी भाषा पुरवणी  
भाग IV आणि V



ही पुस्तिका उघडायला सांगेपर्यंत ती उघडू नका.

या पुस्तिकेच्या मलपृष्ठावरील (15 आणि 16) सूचना काळजीपूर्वक वाचा.

परीक्षार्थींसाठी सूचना :

1. ही पुस्तिका मुख्य चाचणी पुस्तिकेची पुरवणी असून ती अशा परीक्षार्थीकरिता आहे, जे **मराठी** भाषेतील भाग IV (भाषा I) किंवा भाग V (भाषा II) **यांपैकी एकाची** उत्तरे लिहू इच्छितात, **दोन्हीची नव्हे**.
2. परीक्षार्थींनी मुख्य चाचणी पुस्तिकेतील भाग I, भाग II आणि भाग III सोडवायचा आहे आणि त्यांनी निवडलेल्या भाषेतील भाग IV आणि V सोडवायचा आहे.
3. भाग IV आणि V यांमधील इंग्लिश आणि हिन्दी भाषांवरील प्रश्न मुख्य चाचणी पुस्तिकेत दिलेले आहेत. पुरवण्या स्वतंत्रपणे मागून घेता येतील.
4. या पृष्ठावर माहिती लिहिण्यासाठी/प्रतिक्रिया नोंदवण्यासाठी **केवळ निळे/काळे बॉल पॉइंट पेनच** वापरा.
5. या भाषा पुस्तिकेचे **कोड A** आहे. उत्तर पत्रिकेच्या **बाजू-2** वर छापलेले कोड आणि या भाषा पुरवणी पुस्तिकेवरील कोड एकच आहे, याची खात्री करून घ्या. जर काही विसंगती असेल तर परीक्षार्थीने ती ताबडतोब पर्यवेक्षकास दाखवावी आणि भाषा पुरवणी पुस्तिका बदलून मागावी.
6. या चाचणी पुस्तिकेत IV आणि V असे **दोन** भाग आहेत. त्यांमध्ये **60** वस्तुनिष्ठ पद्धतीचे प्रश्न आहेत. प्रत्येक प्रश्नास एक गुण आहे :  
**भाग IV : भाषा I – (मराठी)** (प्र. 91 ते 120)  
**भाग V : भाषा II – (मराठी)** (प्र. 121 ते 150)
7. भाग IV मध्ये भाषा I साठी 30 प्रश्न आहेत आणि भाग V मध्ये भाषा II साठी 30 प्रश्न आहेत. या चाचणी पुस्तिकेत केवळ मराठी भाषेशी संबंधित प्रश्न दिलेले आहेत. **जर तुम्ही भाषा I व/वा भाषा II साठी निवडलेली भाषा पेक्षा मराठी वेगळी असेल, तर कृपया त्या भाषेवरील प्रश्न असलेल्या चाचणी पुस्तिकेची मागणी करा. ज्या भाषेची उत्तरे तुम्ही लिहीत आहात ती भाषा आणि तुमच्या अर्जांमध्ये निवडलेली भाषा या एकच असल्या पाहिजेत.**
8. **भाग V (भाषा II) याकरिता असलेली भाषा ही भाषांच्या यादीमधील निवडलेली भाषा I (IV भागातील) पेक्षा निराळी असली पाहिजे.**
9. चाचणी पुस्तिकेमध्ये कच्चा आराखडा करण्यासाठी नेमून दिलेल्या जागेतच तो करावा.
10. OMR उत्तर पृष्ठावरच उत्तरे नोंदवायची आहेत. तुमच्या प्रतिक्रिया काळजीपूर्वक नोंदवा. उत्तरात बदल करण्यासाठी पांढरा रंग (whitener) वापरण्याची परवानगी नाही.

परीक्षार्थीचे नाव : \_\_\_\_\_

अनुक्रमांक : अंकांमध्ये : \_\_\_\_\_

: शब्दांमध्ये : \_\_\_\_\_

परीक्षार्केंद्र : \_\_\_\_\_

परीक्षार्थीची सही : \_\_\_\_\_ पर्यवेक्षकाची सही : \_\_\_\_\_

Facsimile signature stamp of

Centre Superintendent \_\_\_\_\_



परीक्षार्थीनी **भाषा – I** चा पर्याय **मराठी** हा निवडला असेल, तरच त्यांनी **भाग – IV** मधील (प्रश्न क्र. 91 ते 120) यांची उत्तरे द्यावीत.

Candidates should attempt the questions from **Part-IV (Q.No. 91-120)**, if they have opted **MARATHI** as **Language-I** only.

**महत्त्वपूर्ण :** परीक्षार्थींनी भाषा – I चा पर्याय मराठी हा निवडला असेल, तरच त्यांनी भाग – IV मधील (प्रश्न क्र. 91 ते 120) यांची उत्तरे द्यावीत.

**पुढील उतारा वाचा आणि प्रश्न क्र. 91 ते 99 साठी योग्य पर्याय निवडा.**

सर्व मंडळी उत्सुकतेने अंधाऱ्या गुहेत थांबली होती. सोबत सुप्रसिद्ध प्राणिशास्त्रज्ञ डॉ. हेमा याही होत्या. गुहेतल्या अंधाऱ्या भागातून वटवाघळे सफाईने ये-जा करत होती.

गुहेबाहेर आल्यावर शाश्वतने विचारले, “गडद अंधारातदेखील वटवाघळं कशालाही न टक्करता सफाईनं कशी उडतात ?”

“याचं रहस्य त्यांच्या स्वरयंत्रात आणि गरजेनुसार हव्या त्या दिशेने वळवता येणाऱ्या मोठाल्या कानांमध्ये आहे,” डॉ. हेमा म्हणाल्या, “स्वरयंत्राचा वापर करून वटवाघळं उच्च वारंवारतेचा (फ्रिक्वेन्सी) ध्वनी निर्माण करतात. या ध्वनीचे तरंग आजुबाजूच्या वस्तूवर आपटून परततात. हे तरंग मूळ तरंगांच्या तुलनेत क्षीण असले, तरी ते वटवाघळांना बरोबर टिपता येतात. हव्या त्या दिशेनं वळवता येणाऱ्या कानांच्या मोठाल्या पाळ्यांनी कानांमधल्या अतिसंवेदनाशील पडद्यांवर केंद्रित करून वटवाघळं ते ऐकतात. पाठवलेले ध्वनितरंग वस्तूवर आदळून परत यायला लागलेल्या वेळावरून वटवाघळांचा मेंदू आजुबाजूच्या वस्तूंची स्थानं आणि त्यांचे आकार ठरवतो. याला ‘प्रतिध्वनी-स्थाननिश्चयन’ (इकोलोकेशन) म्हणतात. यामुळे प्रकाश नसतानाही प्रतिध्वनीतरंगांनी वटवाघळांना आजुबाजूच्या गोष्टींचं त्रिमित ज्ञान मिळतं.

इतरही प्राणी असे ध्वनितरंग वापरतात का ?” अमनाने विचारले.

“हो,” डॉ. हेमा म्हणाल्या, “सदंत-देवमासा (टूथड-व्हेल) जैवकुलातले डॉल्फिनसारखे जलचर, साळू, चिचुंद्रीसारखे भूचर आणि ऑइलबर्ड, स्विफ्टलेट्ससारखे पक्षी, अनेक प्राणी प्रतिध्वनी-स्थाननिश्चयन वापरतात. याचा उपयोग त्यांना गढूळ पाण्यात, समुद्रातल्या अतिखोल भागात किंवा रात्रीच्या अंधारात भक्ष्य शोधायला, शत्रूपासून स्वतःचा बचाव करायला आणि शिकार करताना संदेशांची देवाणघेवाण करायला होतो.”

प्रतिध्वनीचा वापर करून प्राण्यांना वस्तू कितपत अचूकतेनं कळतात ? सोहमने विचारले.

“क्रिकेटच्या मैदानाच्या लांबीएवढ्या अंतरावरून क्रिकेटच्या चेंडूएवढी छोटी वस्तू डॉल्फिन शोधू शकतात”, डॉ. हेमा म्हणाल्या, “एवढ्या दूरचं तर त्यांच्या नजरेलाही दिसत नाही. आपलं डोकं विविध दिशांनी वळवून प्रतिध्वनी-स्थाननिश्चयन वापरून डॉल्फिन आसपासच्या माशांच्या वेगवेगळ्या अवयवांचा अंदाज घेऊन ते मासे कोणते आहेत, हे अचूकपणे ओळखतात. याचा उपयोग त्यांना भक्ष्य पकडण्यासाठी होतो.”

डॉ. हेमा म्हणाल्या, “वटवाघळांना जसं ‘प्रतिध्वनी-स्थाननिश्चयन ज्ञानेंद्रिय’ आहे, तसं मधमाश्यांना चुंबकीय क्षेत्राचा वापर करून स्थान आणि दिशाबोध (ओरिएंटेशन) समजण्याचं चुंबकीय ज्ञानेंद्रिय आहे.”

“मधमाश्यांना चुंबकीय ज्ञानेंद्रियामुळे चुंबकीय क्षेत्राच्या दिशेबरोबरच त्याची तीव्रता आणि त्यात होणारे बदलही कळतात. मधमाश्यांप्रमाणेच अनेक सूक्ष्मजंतू, शार्क आणि सामन मासे, समुद्री कासवं, स्थलांतरित पक्षी यांनाही चुंबकीय ज्ञानेंद्रिय असतं.”

“या प्राण्यांना चुंबकीय क्षेत्र समजतं कसं ? ” प्रथमेशने विचारले.

“या प्राण्यांच्या शरीरातल्या चेटापेशींमध्ये मॅग्नेटाइट नावाच्या चुंबकीय पदार्थाचे स्फटिक असतात”, डॉ. हेमा म्हणाल्या, “हे स्फटिक म्हणजे जणू अतिसूक्ष्म अशा चुंबकीय सुयाच असतात. चुंबकीय क्षेत्रातल्या बदलांनुसार त्यांची दिशा बदलते. चेटापेशी हे बदलही नोंदवतात. त्यावरून चुंबकीय क्षेत्राची दिशा, तीव्रता आणि बदल त्यांच्या मेंदूला कळतात. हस्तिमत्स्यासारख्या माशांच्या चेटापेशींना चुंबकीय क्षेत्राएवजी विद्युत क्षेत्र कळतं. त्यांच्या विद्युतीय ज्ञानेंद्रियाची कार्यपद्धतीही अशीच असते. त्याचा उपयोग त्यांना समुद्राच्या खोल तळाशी असताना आसपासची भक्ष्यं किंवा भक्षक कळण्यासाठी होतो.”

91. पुढीलपैकी 'सर्वनाम' कोणते

- (1) त्यांना
- (2) कासव
- (3) समुद्र
- (4) सूक्ष्मजंतू

92. उताऱ्याप्रमाणे भक्ष्य पकडण्यासाठी प्रतिध्वनीचा वापर कोण करते ?

- (1) वटवाघुळ
- (2) देवमासा
- (3) डॉल्फिन
- (4) समुद्री कासव

93. चुंबकीय क्षेत्राऐवजी विद्युतक्षेत्राचे ज्ञान कोणाला असते ?

- (1) हस्तिमतस्य
- (2) डॉल्फिन
- (3) देवमासा
- (4) वटवाघुळ

94. "याचं रहस्य त्यांच्या स्वरयंत्रात आणि गरजेनुसार त्या दिशेनं वळवता येणं....." वाक्यातील अधोरेखित शब्दाची जात ओळखा.

- (1) नाम
- (2) विशेषण
- (3) अव्यय
- (4) सर्वनाम

95. वरील उताऱ्यात एकूण किती व्यक्तींमध्ये संवाद आहे ?

- (1) दोन
- (2) तीन
- (3) पाच
- (4) चार

96. 'वापरतात', 'ऐकतात', 'शोधतात' हे काय आहे ?

- (1) विशेषण
- (2) सर्वनाम
- (3) क्रियापद
- (4) अव्यय

97. 'टिपणे' शब्दाची अर्थच्छटा नसलेला पर्याय निवडा.

- (1) लिहणे
- (2) शोषून घेणे
- (3) नेम साधणे
- (4) उदो-उदो करणे

98. 'तरंग' शब्दाचा समानार्थी आशय शोधा.

- (1) गोणपाट
- (2) सरसनिरसपणा
- (3) मनातील उमटणारे नवे विचार
- (4) तजवीज

99. चुंबकीय क्षेत्राची दिशा, तीव्रता नि-त्यातील बदल यांचे ज्ञान कोणाला असते ?

- (1) मधमाशी
- (2) मासा
- (3) डॉल्फिन
- (4) ऑईलबर्ड



A

पुढील कविता वाचा आणि प्रश्न क्र. 100 ते 105 साठी योग्य पर्याय निवडा.

डोळे भरून तुमची आठवण कोणीतरी काढतंच ना ?

ऊन ऊन दोन घास तुमच्यासाठी वाढतंच ना ?

शाप देत बसायचं की दुवा देत हसायचं

तुम्हीचं ठरवा !

कळ्याकुट्ट कळोखात जेव्हा काही दिसत नसतं

तुमच्या साठी कोणीतरी दीवा घेऊन उभं असतं

कळोखात कुढायचं की प्रकाशात उडायचं

तुम्हीचं ठरवा !

पायात काटे रतुन बसतात हे अगदी खरं असतं;

आणि फुलं फुलून येतात हे काय खरं नसतं ?

काट्यांसारखं सलायचं की फुलांसारखं फुलायचं

तुम्हीचं ठरवा !

पेला अर्धा सरला आहे असं सुद्धा म्हणता येतं

पेला अर्धा भरला आहे असं सुद्धा म्हणता येतं

सरला आहे म्हणायचं की भरला आहे म्हणायचं

तुम्हीचं ठरवा !

सांगा कस जगायचं ?

कण्हत कण्हत की गाणं म्हणत

तुम्हीचं ठरवा !

100. कवितेचा आशय काय सूचित करतो ?

- (1) जीवनाकडे बघण्याचा दृष्टिकोण
- (2) काळोखात कुढणे
- (3) काट्यासारखे सलणे
- (4) डोळे भरून आठवण काढणे

(6)

Marathi-I

101. जीवन जगण्यासाठी दिलेल्या पर्यायांपैकी चुकीचा पर्याय शोधा.

- (1) फुलासारखं फुलणं
- (2) कण्हत कण्हत जगणं
- (3) प्रकाशात उडणं
- (4) दुवा देत हसणं



102. 'विशेषण' नसलेला पर्याय शोधा.

- (1) अर्धा
- (2) काळाकुट्ट
- (3) पायात
- (4) पिवळाधम्म

103. जीवनात येणाऱ्या प्रतिकूल परिस्थितीसाठी कोणती प्रतिमा कवीने वापरली नाही ?

- (1) कालाकुट्ट कालोख
- (2) काटे रतणे
- (3) पेला भरणे
- (4) पेला सरणे

104. 'क्रियापद' नसलेला पर्याय निवडा.

- (1) बसतात
- (2) येतात
- (3) म्हणतात
- (4) तुम्ही

105. 'रुतणे' शब्दाचा विरुद्धार्थी शब्द शोधा.

- (1) फुळणे
- (2) टोचणे
- (3) बोचणे
- (4) सलणे

106. मातृभाषेवर आधारित बहुभाषिकता म्हणजे काय ?

- (1) फक्त मातृभाषा शिकणे
- (2) मातृभाषेतून शिकणे
- (3) प्रथम मातृभाषा शिकणे नंतर क्रमाने दुसऱ्या भाषा शिकणे
- (4) अनेक भाषा शिकणे व परदेशी भाषा मातृभाषा म्हणून शिकणे

107. शालेय शिक्षण पद्धतीमध्ये भाषा म्हणजे.....

- (1) बहुभाषिक शिक्षण
- (2) शिक्षणामध्ये भाषा
- (3) मातृभाषेवर आधारित बहुभाषिकत्व
- (4) त्रिभाषा सूत्र

108. संपूर्ण भाषा अध्यापन पद्धती म्हणजे....

- (1) विद्यार्थी अक्षरे, शब्द, वाक्यांश आणि वाक्ये या क्रमाने भाषा शिकतो, हे गृहीत धरणे.
- (2) विद्यार्थी भाषेतील वाक्यांश आणि उच्चार समजावून घेऊन भाषा शिकतो, हे गृहीत धरणे.
- (3) विद्यार्थी बाराखडीपासून सुरवात करून भाषा शिकतो, हे गृहीत धरणे.
- (4) विद्यार्थी सर्व भाषा एकाच पद्धतीने शिकतो, हे गृहीत धरणे.

109. खालीलपैकी कोणत्या अध्यापन पद्धतीत स्मृति (स्मरण) हा भाषाशिक्षणाचा भाग असतो ?

- (1) संरचनात्मक उपागम
- (2) व्याकरण-भाषांतर पद्धती
- (3) संभाषणात्मक उपागम
- (4) संपूर्ण शारीरिक प्रतिसाद

110. काव्या ही भाषा शिक्षिका आहे ती विद्यार्थ्यांना निरनिराळ्या प्रसंगात वापरले जाणारे शब्द शोधावयास सांगते. आणि त्यांनी शोधलेल्या शब्दांशी संबंधित, त्या शब्दांच्या पुढे आणि मागे जोडले जाणारे शब्द सांगते. या पद्धतीला काय म्हणतात ?

- (1) साहचर्य
- (2) शब्दजाल
- (3) शब्दखेळ
- (4) शब्द तयारकरणे

111. विद्यार्थ्यांची भाषा क्षमता पाहण्यासाठी शिक्षिका प्रश्न तयार करते. या प्रश्नामध्ये एका परिच्छेदातील प्रत्येक पाचवा शब्द ती गाळते. आणि विद्यार्थ्यांना ते शब्द शोधावयास सांगते. या पद्धतीच्या चाचणी क्लुप्तीस काय म्हणतात ?

- (1) आकलनात्मक चाचणी
- (2) शब्दसंपत्ती चाचणी
- (3) रिकाम्या जागाभरा चाचणी
- (4) बद्ध प्रश्न चाचणी

112. बोलताना योग्य शब्द योग्य जागी वापरून अचूक शब्दोच्चार करणे म्हणजे..... होय.

- (1) शारीरभाषा
- (2) बोलण्याचे तंत्र
- (3) भाषा कार्य
- (4) रोजच्या वापरातील भाषा



113. कथाकथन ही अध्यापनशास्त्रीय पद्धती वापरतात –

- (1) विद्यार्थ्यांना श्रवण प्रक्रियेत गुंतवून ठेवण्यासाठी.
- (2) विद्यार्थ्यांच्या संभाषण क्षमतेत वाढ होण्यासाठी.
- (3) भाषा कौशल्य आणि साक्षरता विकसित करण्यासाठी.
- (4) वर्गात शिस्त राखण्यासाठी.

114. संदर्भासहित व्याकरण म्हणजे....

- (1) पाठांतर आणि सरावाने व्याकरण शिकणे
- (2) प्रथम व्याकरणाचे स्वरूप शिकणे व नंतर त्याचा उपयोग करावयास शिकणे
- (3) रोजच्या वापरातील उदाहरणे घेऊन त्याच्याशी संबंधित व्याकरणाकडे लक्ष वेधणे व व्याकरण शिकणे.
- (4) संचरित पद्धतीने व्याकरण प्रकार अभ्यासणे आणि विद्यार्थ्यांचा क्रमबद्ध विकास घडविणे.

115. खालीलपैकी कोणते कौशल्य अध्ययन कौशल्य नाही ?

- (1) व्याख्यानाच्या वेळेस टिपणे काढणे
- (2) वाचताना टिपणे काढणे
- (3) सारांश लिहीणे
- (4) एखाद्या कार्यक्रमाचा आराखडा तयार करणे

116. पाठ्यपुस्तके तयार करणारे पाठ्यपुस्तकात लेखकांच्या लेखातील उतारे, घटना, कविता आणि वर्तमानपत्रातील किंवा मासिकातील लिखाणाचा समावेश करतात. कारण.

- (1) ते लिखाण अधिकृत आणि नैसर्गिक भाषेत लिहीलेले असते.
- (2) ते लिखाण पाठ्यपुस्तक तयार करणारांना आवडते.
- (3) त्या लिखाणावर मूल्यमापनाचे प्रश्न काढणे सोयीचे जाले.
- (4) ते लिखाण वाचावयास उपयुक्त असते.

117. खालील प्रक्रियेस काय म्हणाल ?

शिक्षक एक पाठ्यांश वाचतात आणि विद्यार्थी गटाने बसून त्यातील मुद्दे लिहून घेतात आणि पुन्हा पाठ्यांश तयार करतात.

- (1) श्रुतलेखन
- (2) व्याकरण सांगणे
- (3) पुनर्लेखन प्रक्रिया
- (4) पारस्परिक श्रुतलेखन

118. प्रथम भाषा विकास हा सर्वसामान्यपणे ..... या संज्ञेने ओळखला जातो.

- (1) अध्ययन
- (2) संपादनूक
- (3) प्रगती
- (4) बोधात्मक (संज्ञान)

119. इयत्ता पहिलीच्या वर्गामध्ये वेगवेगळ्या मातृभाषा असलेले विद्यार्थी आहेत. शिक्षिका विद्यार्थ्यांना त्यांच्या त्यांच्या भाषेमध्ये अभिवादन करण्यास सांगते, त्यामुळे विद्यार्थी दररोज वेगवेगळ्या भाषेतील अभिवादन शब्दांशी परिचित होतात. शिक्षिका या ठिकाणी कोणती पद्धती वापरते ?

- (1) बहुभाषिक स्रोत
- (2) बहुभाषिकत्व
- (3) भाषावैविध्य पद्धती
- (4) एकभाषिकत्व

120. खालीलपैकी कोणती पद्धति विद्यार्थ्यांना भाषेची ओळख करून देण्यासाठी आदर्श पद्धती नाही ?

- (1) कविता आणि गाणी-यांच्या माध्यमातून
- (2) नेहेमीच्या वापरातील शब्द आणि छोटी वाक्ये या माध्यमातून
- (3) बाराखडीच्या माध्यमातून
- (4) प्रत्यक्ष बोलणे आणि ऐकणे या माध्यमातून





परीक्षार्थीनी **भाषा – II** चा पर्याय **मराठी** हा निवडला असेल, तरच त्यांनी **भाग – V** मधील (प्रश्न क्र. 121 ते 150) यांची उत्तरे द्यावीत.

Candidates should attempt the questions from **Part-V (Q.No. 121-150)**, if they have opted **MARATHI** as **Language-II** only.

**महत्त्वपूर्ण :** परीक्षार्थींनी भाषा – II चा पर्याय मराठी हा निवडला असेल, तरच त्यांनी भाग – V मधील (प्रश्न क्र. 121 ते 150) यांची उत्तरे द्यावीत.

**सूचना :** पुढील उतारा वाचा आणि प्रश्न क्रमांक 121 ते 128 साठी योग्य पर्याय निवडा.

पश्चिम घाटातील कुर्ग भागातील माकुथची सदाहरित वनं अभूतपूर्व सुंदर आहेत. या अरण्यांचा सर्वांगानं अनुभव घेणं अवघड नसलं तरी कष्टसाध्य आहे. या अरण्याकडे विहंगम दृष्टीनं पाहिल्यास वेगळं दिसतं. नदीकिनाऱ्यावरून तेच अरण्य वेगळं दिसतं. अरण्यात प्रवेश करून त्यातून वाटचाल करू लागल्यावर वेगळाच अनुभव येतो. परंतु एक गोष्ट मात्र खरी, या कुंवार अरण्याइतकं सृष्टीत क्वचितच काही सुंदर असावं.

तेथील वृक्षांचे आकार, प्रकार आणि रंगांचं वैभव एकमेवाद्वितीय तर असतंच, परंतु क्षणोक्षणी बदलणाऱ्या त्या अरण्याचं वैभव शब्दांत पकडता येत नाही. गर्जन, मेसुआ, होपिया, फणस, व्हेटेरिया इंडिका, सिड्रीला टूना इत्यादी वृक्षांबरोबर त्यांच्या आधारानं लता, वेली, नेचे, आमरे व शेवाळ वाढत असतं. कळकाची बेटं, ताड, माड, केवडा आणि रानकेळी या अरण्याला वेगळाच साज चढवतात. एखाद्या वृक्षाच्या परिसराचं निरीक्षण केलं तर त्याच्याच जातीची लहान रोपट्यांपासून ते विविध वयोगटाची झाडे त्याच्या सावलीत वाढताना दिसतात. इतर झुडपं क्वचितच आढळतात. जमिनीवर पालापाचोळा विरळ दिसतो.

उंच पर्वतावरून या अरण्याकडे पाहिलं की लाटाविरहित एखादा हिरवागार समुद्र समोर पसरलेला आहे असं वाटतं. वृक्षांची छतं सारख्या उंचीची असतात. हिरव्या रंगाच्या त्यांच्या अगणित छटा दिसतात. ढगांमुळं सूर्य दिसेनासा झाला तर तिथल्या वनस्पतिसृष्टीचा गर्द हिरवा रंग उजळून निघतो. अरण्याला वाऱ्यावादळाचा स्पर्श

होत नाही. एखाददुसरं पान टपकन खाली पडेल. एरवी मात्र तिथं विलक्षण शांतता पसरलेली असते.

आणखी उंचीवर गेलात, की मोठ्या प्रयत्नांनी झाडाच्या छतावर राहणारी नीलगिरी वानर आणि सिंहमाकड यांचं दर्शन होईल. त्यांचा बुभुःकार ऐकू येईल. झाडाच्या एका छतावरून दुसऱ्या छतावर चपळतेनं उडी मारणाऱ्या देवखारी दिसतील. मोठ्या धनेश पक्ष्यांचे थवे कलकल आवाज करत उडताना आढळून येतील.

अशा वनस्पतींच्या जंजाळातून अरण्यात प्रवेश करणं अवघड वाटत असलं तरी प्रत्यक्षात तसं नसतं. हातात कोयता घेऊन समोरच्या फांद्या छटल्या की पुढं सरकता येतं. अंधूक हिरवा प्रकाश जिकडे तिकडे पसरलेला असतो. मध्येच प्रकाशाचा एखादा कवडसा दिसतो. दुरून येणारा एखादा आदिवासी सहज दिसतो. मात्र त्याची सावट ऐकू येत नाही. अरण्यातील नाद अदभुत असतात. कुठं कीटकांचा थवा घोंगावत आपल्या डोक्यावरून निघून जातो. तर कधी अकस्मात रातकिड्यांचं संगीत ऐकू येतं. अशा अरण्यातून भटकताना वन्यप्राण्यांचं दर्शन होईलच असं नव्हे. तुम्हाला वेगवेगळ्या सावटी ऐकू येतील. परंतु ती कोणत्या प्रण्याची की खाली पडलेल्या फांदीची यांतील फरक सांगता येणार नाही.

**121. लेखकाच्या मते कोणत्या गोष्टीचे शाब्दिक वर्णन करता येत नाही ?**

- (1) केवडा आणि रानकेळी
- (2) अरण्याचं वैभव
- (3) लाटाविरहित समुद्र
- (4) रातकिड्यांचं संगीत

122. लेखकाच्या मते कोणत्या गोष्टी समान उंचीच्या असतात ?

- (1) कळकाची बेट
- (2) रानकेळी
- (3) आमरे व शेवाळ
- (4) वृक्षांची छतं

123. पुढीलपैकी कोणत्या बाबीमुळे जंगलाचे सौंदर्य वाढते, असे लेखकाला वाटते ?

- (1) ताड, माड, केवडा, रानकेळी
- (2) वेली, नेचे, आमरे, शेवाळ
- (3) लहान रोपटी आणि झुडुपे
- (4) वनस्पतीचा गर्द हिरवा रंग

124. 'कवडसा' म्हणजे काय ?

- (1) सूर्य किरणांची तिरीप
- (2) कवड्या
- (3) केवडा
- (4) कीटकांचा थवा

125. पुढील पर्यायांपैकी विशेषनाम शोधा.

- (1) पान
- (2) केवडा
- (3) रातकिडा
- (4) कीटक

126. पुढीलपैकी कोणत्या घटकाचे वर्णन उतान्यात केलेले नाही ?

- (1) वनस्पतीसृष्टीचा हिरवा रंग
- (2) लाटांसहित पसरलेला हिरवा समुद्र
- (3) नीलगिरी वानर
- (4) चपळतेनं उडी मारणाऱ्या देव खारी

127. लेखकाच्या मते अरण्याला पुढीलपैकी कोणत्या गोष्टीचा स्पर्श होत नाही ?

- (1) पाला-पाचोळा
- (2) प्रकाशाचा कवडसा
- (3) वादळ-वारा
- (4) हिरवा समुद्र

128. 'विरळ' या शब्दाचा विरुद्धार्थी आशय असलेला पर्याय शोधा.

- (1) हलके
- (2) दाट
- (3) क्वचित
- (4) विरस

पुढील उतारा वाचा आणि प्र.क्र. 129 ते 135 साठी योग्य पर्याय निवडा.

जेव्हा एखाद्या समाजाची भाषा नष्ट होते तेव्हा त्या भाषेत शतकानुशतके चालत आलेले ज्ञानही नष्ट होऊन जाते. उदाहरणार्थ, झाडे आणि पाला, वनस्पती, प्राणी, पक्षी, ग्रह, तारे, जमिनीचा वेगवेगळ्या प्रकारचा कस, वाळवंट किंवा बर्फाळ प्रदेशातील वाळूच्या आणि बर्फाच्या अनेक छटा यांची माहिती ज्या भाषांमध्ये आहे त्या भाषा नष्ट झाल्यावर कायमची निघून जाते. त्सुनामीचा फटका बसला तेव्हा अंदामानमधील आदिवासीपैकी कुणाचाही मृत्यू झाला नाही. याचे कारण असे होते, की तिथल्या आदिवासींच्या भाषेमध्ये समुद्राच्या बदलत्या लाटांविषयी संकेत देणारे शब्द होते. ज्यावरून त्सुनामी येण्यापूर्वीच ही मंडळी दूरवर गेली होती अथवा सुरक्षित उंचीवर जाऊन थांबली होती. त्यामुळे ती त्सुनामीपासून वाचू शकली. जेव्हा यांच्या भाषा नष्ट होतील तेव्हा त्सुनामी, किंवा भूकंप वा ज्वालामुखी वा वणवे अशा नैसर्गिक संकटांपासून रक्षण करण्यासाठी आपल्याला परदेशातल्या वेगवेगळ्या तंत्रकुशल कंपन्यांना बोलवावे लागेल.

A

येथे हे ध्यानात घ्यायला हवे, की जगातील अनेक महत्वाचे शोध अशा प्रकारच्या भाषांमधून जिवंत असलेल्या ज्ञानपरंपरांतून लागलेले आहेत. रोजच्या जीवनातील उदाहरण घ्यायचे झाले, तर ज्या संगणकावर आपण 24 तास अवलंबून राहतो, त्या संगणकाच्या मुळाशी असणारे शून्य आणि एक यातील द्वैत्व हे कितीतरी स्थानिक भाषांमध्ये वेगवेगळ्या प्रकारे मांडले गेले आहे. त्या भाषांमध्ये शून्य आणि एकच्या मध्ये केवळ रिकामी जागा नसून छोट्या छोट्या सूक्ष्म संख्या (मायक्रो न्युमरल्स) असल्याचे नमूद केले आहे. त्या संख्या ध्यानात घेऊन संगणकाची संपूर्ण नवीन मांडणी करता येऊ शकेल. परंतु या भाषा नाहीशा झाल्या तर संशोधनाची ती दिशा संपूर्णपणे बंद होऊ शकते. ज्या आयुर्वेदाला आपण जगभरात मिरवतो, त्या आयुर्वेदाच्या मुळाशी विविध भाषांतील वनस्पतीशास्त्रांची माहिती आहे, याचाही आपल्याला विसर पडला आहे.

भारतीय संगीतामध्ये आलेले वेगवेगळे 'टोन्स' हे अनेक आदिवासी भाषांतून गोळा केलेले आहेत, हे आपण विसरत चाललो आहोत. इतकेच काय, महाभारतासारखी कृती तिच्या अगदी प्रथम संहितेमध्ये संस्कृतबाहेरच्या अन्य भाषांत रचली गेली होती किंवा 'कथा सुनीत सागर' या भारतीय कथासाहित्याच्या केंद्रवर्ती कृतीमध्ये भारतातल्या त्या वेळच्या अनेक जंगलात बोलल्या जाणाऱ्या कथा आलेल्या होत्या, हे आपण विसरून चाललो आहोत. थोडक्यात, भारतातील प्रमुख भाषांची पाळेमुळे शोधायची असतील तर त्यामध्ये भारतातील स्थानिक बोलीभाषा व लहान लहान समुदायात बोलल्या जाणाऱ्या अनेक भाषांच्या छटा दिसतात. त्यांना हानी पोहोचवणे म्हणजे आपल्या देशाच्या भाषिक आणि सांस्कृतिक प्रकृतीला हानी पोहोचवण्यासारखे आहे.

संयुक्त राष्ट्रांनी यंदा सुचवल्याप्रमाणे जर आपल्या देशात एतद्देशीय आणि अजूनही तग धरून असलेल्या शेकडो भाषांकडे लक्ष देण्यास सुरुवात झाली तर भारताच्या सांस्कृतिक विविधतेच्या, संवर्धनाच्या दृष्टीने हे महत्वाचे पाऊल ठरेल.

(12)

Marathi-I

129. भाषिक ज्ञान-परंपरेने आपणास प्रामुख्याने काय दिले ?

- (1) शून्य आणि एक यातील अद्वैत
- (2) महत्वाचे शोध
- (3) भारतीय संगीताचे विस्मरण
- (4) नैसर्गिक आपत्ती



130. भारतातील प्रमुख भाषांचे उगम शोधल्यास आपल्याला काय दिसून येईल ?

- (1) विविध समुदायातील भाषांच्या छटा.
- (2) नैसर्गिक आपत्ती
- (3) संगणकीय ज्ञान
- (4) लाटांविषयीचे संकेत

131. भारताची सांस्कृतिक विविधता कोणत्या उपक्रमातून जोपासली जाऊ शकते ?

- (1) महाभारतासारखी कृती निर्माण करणे
- (2) परकीय तंत्रज्ञांना आमंत्रित करणे
- (3) नवसंशोधनाची दिशा आकुंचित करणे
- (4) शेकडो भाषांकडे लक्ष देणे

132. "ज्या संगणकावर आपण 24 तास अवलंबून राहतो." अधोरेखित शब्दाची जात ओळखा.

- (1) विशेषण
- (2) नाम
- (3) क्रियापद
- (4) अव्यय

133. 'छटा' शब्दाचा समानार्थी आशय नसलेला पर्याय शोधा.

- (1) झाक
- (2) ढब
- (3) चौकशी
- (4) छाया

134. पुढील शब्दांचा उताऱ्यात आलेल्या प्रमाणेचा योग्य क्रम शोधा.

- (1) महाभारत, वनस्पती, तारे, वाळवंट
- (2) वनस्पती, महाभारत, वाळवंट, तारे
- (3) महाभारत, तारे, वनस्पती, वाळवंट
- (4) वनस्पती, तारे, वाळवंट, महाभारत

135. आपल्या आदिम भाषांमधून कोणती बाब संग्रहित करण्यात आली आहे ?

- (1) संगणकीय ज्ञान
- (2) सुरावली
- (3) भाषांची पाळंमुळं
- (4) वनस्पतीशास्त्र

योग्य पर्याय निवडून प्रश्न क्र. 136 ते 150 या प्रश्नांची उत्तरे द्या :

136. भारतीय घटनेच्या 343(2) या कलमानुसार

- (1) हिंदी ही शासकीय भाषा आहे.
- (2) हिंदी ही सहयोगी शासकीय भाषा आहे.
- (3) इंग्रजी ही शासकीय भाषा आहे.
- (4) इंग्रजी ही सहयोगी शासकीय भाषा आहे.

137. खालीलपैकी कोणती बाब अभिजातभाषेची मानक नाही ?

- (1) भाषेला 1500 ते 2000 वर्षांचा इतिहास आणि त्या भाषेमध्ये लिखित साहित्य असावे.
- (2) त्या भाषेमध्ये प्राचीन साहित्य / महाकाव्य लिहीलेले असावे.
- (3) भाषा ही घटनेत नमूद केलेली नसावी.
- (4) भाषेला स्वयंभू लेखन परंपरा असावी आणि त्या भाषेत इतर समुदायाच्या भाषेतून भाषांतर केलेले लिखाण नसावे.

138. विद्यार्थ्यांच्या श्रवणक्षमनेचे मूल्यमापन खालील पद्धतीने करावे.

- (1) विद्यार्थ्यांबरोबर, संभाषण सराव करणे.
- (2) विद्यार्थ्यांना गोष्ट सांगणे आणि त्यावर आकलनात्मक प्रश्न विचारणे.
- (3) विद्यार्थ्यांना अवांतर वाचनाची संधी देणे.
- (4) विद्यार्थ्यांना सहलीला नेणे.

139. वाचनाच्या सुरवातीच्या काळात शिक्षकाने कोणत्या गोष्टीवर जास्त भर द्यावा ?

- (1) बाराखडी पाठ करणे
- (2) अस्खलितपणे वाचन करणे
- (3) अक्षर-उच्चार यांच्यामधील संबंध विकसित करणे.
- (4) अचूक वाचन करणे

140. श्रवण आणि वाचन ही \_\_\_\_\_ कौशल्ये आहेत.

- (1) ग्रहणक्षम
- (2) उत्पादक
- (3) रंजक
- (4) वैचारिक

141. बाल लेखकांच्या वैचारिक गरजेनुसार शिक्षकाने त्यांना कशा प्रकारे उत्तेजन द्यावे ?

- (1) विद्यार्थ्याने केलेल्या व्याकरणाच्या - चुकांबद्दल विस्तृत माहिती देणे.
- (2) त्याने केलेल्या चांगल्या कामाचे कौलुक करावे त्यानेच लिहीलेल्या वाक्यांचा संदर्भ द्यावा.
- (3) विद्यार्थ्याला चुकांकडे लक्ष देण्यास सांगावे.
- (4) त्याने काम चांगले न केल्यामुळे त्याची वर्गात वर्गवादी करणे.



A

(14)

Marathi-I

142. भाषा संपादन आणि भाषा शिक्षण या मध्ये कोणता मूलभूत फरक आहे ?

- (1) ओघ आणि अचूकता
- (2) भाषेला वाव देण्याचा स्तर (Level of exposure to language)
- (3) अचूकता आणि बोलण्याची गती
- (4) बोलण्याची गती आणि उच्चार

143. स्रोत भाषा म्हणून मातृभाषेचा वापर करण्यासंबंधी कोणते विधान अचूक नाही ?

- (1) ती विद्यार्थ्यांना शिकण्यास, विचार करण्यास आणि संपर्क साधण्यास मदत करते.
- (2) ती विद्यार्थ्यांना भाषेचा अर्थ समजण्याच्या दृष्टीने सकारात्मक भूमिका बजावते.
- (3) ती मोठ्या प्रमाणावर अध्यापनशास्त्रीय अवकाश खुला करते.
- (4) ती दुसऱ्या भाषेकडे दुर्लक्ष करण्यास मदत करते.

144. प्राथमिक स्तरावर विद्यार्थ्यांचा भाषा विकास होण्याच्या दृष्टीने सर्वात महत्वाची गोष्ट कोणती ?

- (1) व्याकरणाचे ज्ञान
- (2) भाषासमृद्ध सभोवतालचे वातावरण
- (3) भाषा पाठ्यपुस्तक
- (4) विद्यार्थी मूल्यमापन

145. संचयिका (Portfolio) हे \_\_\_\_\_ चे उदाहरण आहे.

- (1) स्वयंमूल्यमापन
- (2) शिक्षकाकडून मूल्यमापन
- (3) स्वयं तसेच शिक्षकाकडून मूल्यमापन
- (4) माध्यमिक शिक्षण मंडळाकडून मूल्यमापन

146. शब्दकोडे \_\_\_\_\_ वाढविण्यास मदत करते.

- (1) श्रवण कौशल्य
- (2) लेखन कौशल्य
- (3) शब्दसंग्रह
- (4) शब्दाचा अर्थ (Literary meaning)

147. संभाषण कौशल्याचे मूल्यमापन करताना खालीलपैकी कोणत्या बाबीची गरज नसते ?

- (1) शब्दोच्चार / आवाज
- (2) अचूक शब्द संदर्भासहित योग्य जागी वापरणे.
- (3) शब्दकोश व अर्थरूपकोश (thesaurus) यांचा वापर करणे.
- (4) बोलण्यातील स्पष्टता

148. शब्द व उच्चार यांच्या सहयोगाने वाचन करण्यास शिकवणे या \_\_\_\_\_ पद्धती असे म्हणतात.

- (1) प्रत्यक्ष पद्धती
- (2) उच्चार पद्धती
- (3) संपूर्ण भाषा
- (4) खंडित भाषा

149. पाठ्यपुस्तकापलीकडे जाणे म्हणजे

- (1) पाठ्यपुस्तकाखेरीज जास्तीचे अध्यापन साहित्य पुरविणे
- (2) पाठ्यपुस्तकाकडे दुर्लक्षकरणे आणि इतर मजकुराकडे लक्षदेणे.
- (3) पाठ्यपुस्तक केंद्रित ज्ञान देणे.
- (4) पाठ्यपुस्तकाखेरीज इतर गोष्टींकडे लक्ष देऊन विद्यार्थ्यांवर जास्त भार न टाकणे.

150. इयत्ता तिसरीच्या विद्यार्थ्यांना शिक्षक पाकिटे बनविण्यास सांगतात –

विद्यार्थी सूचनांचे पालन करतात.

भाषावर्गातील या कृतीने विद्यार्थ्यांना \_\_\_\_\_ यासाठी मदत होईल.

- (1) लेखनकौशल्य वाढविणे
- (2) संभाषणकौशल्य वाढविणे
- (3) श्रवणकौशल्य वाढविणे
- (4) सर्जनशीलता वाढविणे

**खालील सूचना काळजीपूर्वक वाचा :**

1. वेगवेगळ्या प्रश्नांची उत्तरे देण्यासाठी प्रश्न पत्रिकेत योग्य ठिकाणी सूचना देण्यात आल्या आहेत. प्रश्नांची उत्तरे देण्याअगोदर त्या सूचना काळजीपूर्वक वाचा.
2. प्रत्येक प्रश्नासाठी दिलेल्या चार पर्यायांपैकी बरोबर उत्तरासाठी OMR उत्तरपत्रिकेच्या बाजू-2 वर केवळ एकच वर्तुळ निळ्या किंवा काळ्या बॉल पॉइन्ट पेन ने संपूर्ण निळे/काळे भरा. एकदा उत्तराचे वर्तुळ भरल्यावर वे बदलता येणार नाही.
3. परीक्षार्थींनी उत्तर पत्रिकेला कोठेही घडी पडणार नाही किंवा त्यावर कुठलीही असंबद्ध खूण केली जाणार नाही याची काळजी घ्यावी. परीक्षार्थींनी आपला अनुक्रमांक उत्तर पत्रिकेत नेमून दिलेल्या जागेव्यतिरिक्त अन्यत्र लिहू नये.
4. चाचणी-पुस्तिका आणि उत्तरपत्रिका काळजीपूर्वक हाताळा. कारण कोणत्याही परिस्थितीत (चाचणी-पुस्तिकेचा कोड अथवा क्रमांक आणि उत्तरपत्रिकेचा कोड अथवा क्रमांक यांमधील विसंगती वगळता) दुसरा संच पुरविला जाणार नाही.
5. चाचणी-पुस्तिका/उत्तरपत्रिका यांवर दिलेला कोड आणि क्रमांक परीक्षार्थींनी उपस्थिती पृष्ठावर बरोबर लिहावा.
6. OMR उत्तरपत्रिकेतील माहितीचे वाचन संगणकाच्या मदतीने केले जाते. त्यामुळे कोणतीही माहिती अपुरी किंवा प्रवेश पत्रकातील माहितीपेक्षा वेगळी देऊ नये.
7. परीक्षार्थींना कोणतीही पाठ्यपुस्तकाची सामग्री, मुद्रित अथवा लिखित, कागदाचे तुकडे, पेजर, मोबाईल फोन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण अथवा प्रवेशपत्रिकाव्यतिरिक्त अन्य कोणतीही सामग्री परीक्षेच्या सभा गृहात/खोली मध्ये आणण्याची परवानगी नाही.
8. मोबाईल फोन, तार रहित संभाषण यंत्र, (बंद केलेल्या अवस्थेतही) किंवा इतर निषिद्ध वस्तू परीक्षाकेन्द्रात आणू नये. तसे केल्याचे आढळल्यास त्याला 'अनफेअर मीन्स' गृहीत धरले जाईल आणि त्यावर परीक्षा निरस्त करणे या सकट इतर कार्यवाही करण्यात येईल.
9. प्रत्येक परीक्षार्थीने त्याची/विची प्रवेश-पत्रिका पर्यवेक्षकांनी मागितल्यावर त्यांना दाखवली पाहिजे.
10. पर्यवेक्षक अथवा अधीक्षक यांच्या खास परवानगीशिवाय कोणत्याही परीक्षार्थीला आपली जागा सोडता येणार नाही.
11. कामावर असलेल्या पर्यवेक्षकांकडे उत्तरपत्रिका दिल्याखेरीज आणि उपस्थिती पृष्ठावर दोनदा सही केल्या खेरीज परीक्षार्थींनी परीक्षागृह सोडू नये. ज्या परीक्षार्थींनी उपस्थिती पृष्ठावर दुसऱ्यांदा सही केलेली नसेल त्यांची उत्तर पत्रिका पर्यवेक्षकांकडे दिली गेलेली नाही, असे समजले जाईल आणि ती बाब अनुचित साधनाची बाब मानली जाईल.
12. इलेक्ट्रॉनिक/हस्तसंचालित गणितयंत्र (Calculator) चा उपयोग निषिद्ध आहे.
13. परीक्षागृहातील वर्तणुकीबाबत परीक्षार्थींना बोर्डाच्या नियमांचे पालन करावे लागेल. अनुचित साधनाच्या सर्व बाबींचा निर्णय बोर्डाच्या नियमांनुसार केला जाईल.
14. चाचणी-पुस्तिका अथवा उत्तरपत्रिका यांचा कोणताही भाग कोणत्याही परिस्थितीत सुटा करू नये.
15. **चाचणी पूर्ण झाल्यानंतर परीक्षार्थींनी उत्तरपत्रिका परीक्षागृहातील पर्यवेक्षकांकडे दिली पाहिजे. चाचणी-पुस्तिका परीक्षार्थी आपल्याबरोबर घेऊन जाऊ शकतात.**

**निम्नलिखित निर्देशों को ध्यान से पढ़ें :**

1. जिस प्रकार से विभिन्न प्रश्नों के उत्तर दिए जाने हैं उसका वर्णन परीक्षा पुस्तिका में किया गया है, जिसे आप प्रश्नों का उत्तर देने से पहले ध्यान से पढ़ लें ।
2. प्रत्येक प्रश्न के लिए दिए गए चार विकल्पों में से सही उत्तर के लिए OMR उत्तर पत्र के पृष्ठ-2 पर केवल एक वृत्त को ही पूरी तरह काले/नीले बॉल पॉइंट पेन से भरें । एक बार उत्तर अंकित करने के बाद उसे बदला नहीं जा सकता है ।
3. परीक्षार्थी सुनिश्चित करें कि इस उत्तर पत्र को मोड़ा न जाए एवं उस पर कोई अन्य निशान न लगाएँ । परीक्षार्थी अपना अनुक्रमांक उत्तर-पत्र में निर्धारित स्थान के अतिरिक्त अन्यत्र न लिखें ।
4. परीक्षा पुस्तिका एवं उत्तर पत्र का ध्यानपूर्वक प्रयोग करें, क्योंकि किसी भी परिस्थिति में (केवल परीक्षा पुस्तिका एवं उत्तर पत्र के संकेत या संख्या में भिन्नता की स्थिति को छोड़कर) दूसरी परीक्षा पुस्तिका उपलब्ध नहीं करायी जाएगी ।
5. परीक्षा पुस्तिका / उत्तर पत्र में दिए गए परीक्षा पुस्तिका संकेत व संख्या को परीक्षार्थी सही तरीके से हाज़िरी-पत्र में लिखें ।
6. OMR उत्तर पत्र में कोडित जानकारी को एक मशीन पढ़ेगी । इसलिए कोई भी सूचना अधूरी न छोड़ें और यह प्रवेश-पत्र में दी गई सूचना से भिन्न नहीं होनी चाहिए ।
7. परीक्षार्थी द्वारा परीक्षा हॉल/कक्ष में प्रवेश-पत्र के सिवाय किसी प्रकार की पाठ्य-सामग्री, मुद्रित या हस्तलिखित, कागज़ की पर्चियाँ, पेजर, मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण या किसी अन्य प्रकार की सामग्री को ले जाने या उपयोग करने की अनुमति नहीं है ।
8. मोबाइल फोन, बेतार संचार युक्तियाँ (स्वीच ऑफ अवस्था में भी) और अन्य प्रतिबंधित वस्तुएँ परीक्षा हॉल/कक्ष में नहीं लाई जानी चाहिए । इस सूचना का पालन न होने पर इसे परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग माना जाएगा और उनके विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी, परीक्षा रद्द करने सहित ।
9. पूछे जाने पर प्रत्येक परीक्षार्थी, निरीक्षक को अपना प्रवेश-पत्र दिखाएँ ।
10. केन्द्र अधीक्षक या निरीक्षक की विशेष अनुमति के बिना कोई परीक्षार्थी अपना स्थान न छोड़ें ।
11. कार्यरत निरीक्षक को अपना उत्तर पत्र दिए बिना एवं हाज़िरी-पत्र पर दुबारा हस्ताक्षर किए बिना परीक्षार्थी परीक्षा हॉल/कक्ष नहीं छोड़ेंगे । यदि किसी परीक्षार्थी ने दूसरी बार हाज़िरी-पत्र पर हस्ताक्षर नहीं किए, तो यह माना जाएगा कि उसने उत्तर पत्र नहीं लौटाया है और यह अनुचित साधन का मामला माना जाएगा । परीक्षार्थी अपने बाएँ हाथ के अंगूठे का निशान हाज़िरी-पत्र में दिए गए स्थान पर अवश्य लगाएँ ।
12. इलेक्ट्रॉनिक / हस्तचालित परिकलक का उपयोग वर्जित है ।
13. परीक्षा हॉल/कक्ष में आचरण के लिए परीक्षार्थी बोर्ड के सभी नियमों एवं विनियमों द्वारा नियमित हैं । अनुचित साधनों के सभी मामलों का फैसला बोर्ड के नियमों एवं विनियमों के अनुसार होगा ।
14. किसी हालत में परीक्षा पुस्तिका और उत्तर पत्र का कोई भाग अलग न करें ।
15. परीक्षा सम्पन्न होने पर, परीक्षार्थी हॉल / कक्ष छोड़ने से पूर्व उत्तर पत्र कक्ष-निरीक्षक को अवश्य सौंप दें । परीक्षार्थी अपने साथ इस परीक्षा पुस्तिका को ले जा सकते हैं ।

**READ THE FOLLOWING INSTRUCTIONS CAREFULLY:**

1. The manner in which the different questions are to be answered has been explained in the Test Booklet which you should read carefully before actually answering the questions.
2. Out of the four alternatives for each question, only one circle for the correct answer is to be darkened completely with **Black/Blue Ball Point Pen** on **Side-2** of the OMR Answer Sheet. The answer once marked is not liable to be changed.
3. The candidates should ensure that the Answer Sheet is not folded. Do not make any stray marks on the Answer Sheet. Do not write your Roll No. anywhere else except in the specified space in the Answer Sheet.
4. Handle the Test Booklet and Answer Sheet with care, as under no circumstances (except for discrepancy in Test Booklet Code or Number and Answer Sheet Code or Number), another set will be provided.
5. The candidates will write the correct Test Booklet Code and Number as given in the Test Booklet / Answer Sheet in the Attendance Sheet.
6. A machine will read the coded information in the OMR Answer Sheet. Hence, no information should be left incomplete and it should not be different from the information given in the Admit Card.
7. Candidates are not allowed to carry any textual material, printed or written, bits of papers, pager, mobile phone, electronic device or any other material except the Admit Card inside the examination hall/room.
8. Mobile phones, wireless communication devices (even in switched off mode) and the other banned items should not be brought in the examination halls/rooms. Failing to comply with this instruction, it will be considered as using unfair means in the examination and action will be taken against them including cancellation of examination.
9. Each candidate must show on demand his / her Admit Card to the Invigilator.
10. No candidate, without special permission of the Centre Superintendent or Invigilator, should leave his / her seat.
11. The candidates should not leave the Examination Hall/Room without handing over their Answer Sheet to the Invigilator on duty and sign the Attendance Sheet twice. Cases where candidate has not signed the Attendance Sheet second time will be deemed not to have handed over the Answer Sheet and dealt with as an unfair means case. **The candidates are also required to put their left hand THUMB impression in the space provided in the Attendance Sheet.**
12. Use of Electronic / Manual Calculator is prohibited.
13. The candidates are governed by all Rules and Regulations of the Board with regard to their conduct in the Examination Hall/Room. All cases of unfair means will be dealt with as per Rules and Regulations of the Board.
14. No part of the Test Booklet and Answer Sheet shall be detached under any circumstances.
15. **On completion of the test, the candidate must hand over the Answer Sheet to the Invigilator in the Hall / Room. The candidates are allowed to take away this Test Booklet with them.**